बौद्धिक संपदा विकसित करेगा 'टेक्नोलॉजी पार्क'

आईआईटी में टेक्नोलाजी पार्क का उद्घाटन करते गवर्नर बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राधाकृष्णन।

कानपुर(एसएनबी)। आईआईटी कानपुर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन डॉ.के राधाकृष्णन ने टेक्नोलाजी पार्क का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शैक्षिक-उद्यम वातावरण बनाने और बौद्धिक संपदा विकसित करने में टेक्नोलाजी पार्क बहुत सहायक सिद्ध होगा।

फीता काट कर टेक्नोलाजी पार्क का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन श्री राधाकृष्णन व आईआईटी कानपुर के निदेशक अभय करंडीकर ने किया। इसके बाद उन्होंने टेक्नोपार्क के लोगो का अनावरण भी किया। इस दौरान आईआईटी के तकनीकी विशेषज्ञों व इस मौके पर आये उद्यमियों के बीच चर्चा का आयोजन भी किया गया। यहां बताया गया कि टेक्नोलाजी पार्क की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय उद्यमों को साथ जोड़ कर शैक्षिक-उद्यम वातावरण को मजबूत बनाना है। इसकी सहायता से बौद्धिक संपदा भी विकसित की जायेगी। टेक्नोलाजी पार्क के उद्घाटन के बाद हुयी चर्चा के दौरान कहा गया कि शैक्षिक-उद्यम गठजोड़ बनाकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर तकनीक विकसित करने के साथ ही नये अनुसंधान भी किये जायेंगे। यही नहीं इसके जरिये आईआईटी और उद्यमों के बीच संवाद स्थापित कर उद्यमों के सामने आने वाली समस्याओं का निस्तारण करने के प्रयास करने के साथ ही उन्हें नयी नयी जानकारियों से लैस कराया जायेगा।

Printed from
THE TIMES OF INDIA

IIT-K bats for collaboration between academia & industry

tnn | Apr 9, 2019, 04.17 AM IST

Kanpur: Former chairman of Indian Space Research Organisation (Isro) and chairman of IIT-Kanpur's board of governors K Radhakrishnan formally inaugurated 'Techopark' on Monday.
He was accompanied by IIT-K director Abhay Karandikar at the event. The logo of Technopark was also unveiled during the ceremony.

Karandikar said, "Technopark aims to foster a collaboration between academia and industry by co-developing cutting-edge technology and innovations, while creating knowledge-based wealth." Professor in charge for Technopark, Avinash Agarwal said, "Technopark was established under IIT-Kanpur Research and Technology Park Foundation. It eyes development of new technologies which are in tandem with national priorities and aims to create knowledge-based wealth by leveraging the institute's competence."